Title

हिन्दी के मानसेतर प्रबन्धात्मक-रामकाव्यों की भूमिका में

(सं० १५०० वि० से १८०० वि०)

रघुवंश दीपक का आलोचनात्मक अध्ययन

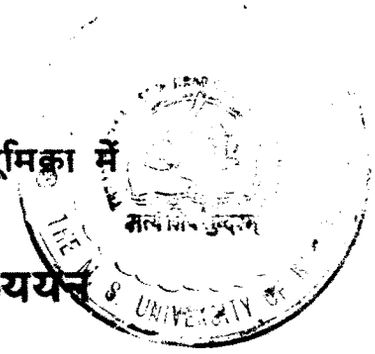

महाराजा सयाजी राव विश्व-विद्यालय बड़ौदा
की पी० एच० डी० उपाधि के लिये
प्रस्तुत शोध प्रबन्ध

निर्देशक—
डॉ० मदन गोपाल गुप्त
एम० ए०, पी० एच० डी०

प्रस्तुतकर्ता—
हरिवंशप्रसाद शुक्ल
एम० ए०, साहित्यरत्न

१९७१